भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †210

सोमवार, 25 नवम्बर, 2024/4 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

स्वदेश दर्शन योजना का आरंभ

†210. श्री विशालदादा प्रकाशबापू पाटील:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) कैग की रिपोर्ट के अनुसार योजना आयोग और वित्त मंत्रालय की आपत्तियों के बावजूद स्वदेश दर्शन योजना शुरू किए जाने के क्या कारण हैं;

(ख) 1000 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली परियोजनाओं के लिए आवश्यक मंत्रिमंडल का अनुमोदन प्राप्त किए बिना 2016-17 तक 4000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं को लगातार मंजूरी दिए जाने के क्या कारण हैं;

(ग) क्या चिह्नित सर्किटों में से एक होने के बावजूद ग्रामीण सर्किट को कुल योजना व्यय का केवल 0.73% ही आवंटित किया गया था और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) स्वीकृत 76 परियोजनाओं में से किसी को भी निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा न किए जाने के कारण परियोजना के पूरा होने में होने वाले विलंब को दूर करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं; और

(ङ) क्या केन्द्रीय मंजूरी और निगरानी समिति तथा मिशन निदेशालय की क्रमशः नवम्बर 2018 और अक्तूबर, 2019 के बाद कोई बैठक नहीं हुई थी, और इससे योजना का कार्यान्वयन किस प्रकार प्रभावित हुआ यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ): पर्यटन मंत्रालय ने वर्ष 2014-15 में अपनी प्रमुख योजना स्वदेश दर्शन शुरू की और कैबिनेट की मंजूरी के साथ वर्ष 2018-19 तक कुल 76 परियोजनाओं को मंजूरी दी। स्वदेश दर्शन योजना के तहत परियोजनाएं राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों से परियोजना प्रस्तावों के प्राप्त होने और योजना दिशा-निर्देशों के साथ उनके अलाइनमेंट, निधियों की उपलब्धता आदि के अध्यधीन स्वीकृत की गई थीं। स्वदेश दर्शन योजना के तहत, मंत्रालय ने 5287.90 करोड़ रु. की कुल 76 परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की, जिसमें

ग्रामीण थीम से संबंधित 101.62 करोड़ रु. की 2 परियोजनाएं शामिल हैं। उपर्युक्त के अलावा, ईको, वन्यजीव, हिमालयी, जनजातीय, पूर्वोत्तर आदि जैसी समान प्रकृति की थीमों के तहत भी परियोजनाएं स्वीकृत की गई थीं। पर्यटन मंत्रालय ने गंतव्य और पर्यटक-केंद्रित दृष्टिकोण को अपनाते हुए स्थायी और सुरक्षित पर्यटन गंतव्यों के विकास के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के तौर पर नया रूप दिया है और देश में 793.20 करोड़ रु. की 34 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। स्वदेश दर्शन योजना देश में टियर II और टियर III गंतव्यों में परियोजनाओं के विकास पर ध्यान केंद्रित करती है और राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को सतत पर्यटन विकास, सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) और सृजित परिसंपत्तियों के प्रचालन और रखरखाव पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

परियोजनाओं की प्रगति की निगरानी एवं एवं उनमें तेजी लाने के लिए तथा राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों का मार्गदर्शन करने के उद्देश्य से, पर्यटन मंत्रालय विभिन्न स्तरों पर नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित करता है। इसके अतिरिक्त, आवश्यकतानुसार केन्द्रीय स्वीकृति एवं निगरानी समिति तथा मिशन निदेशालय की बैठकें भी आयोजित की जाती हैं।

*****